

तेरे दरबार से मैं

तेरे दरबार से मैं तेरे सिवा मांगू भी क्या
तुझसे बेहतर तेरे दरबार में और भला रखा भी है क्या,
तेरे दरबार से मैं तेरे सिवा मांगू भी क्या

चाँद तारो की सिफारिश मैं नहीं करती,
धन दौलत की भी गुजारिश मैं नहीं करती,
तू अगर मिल जाए तो साईं इनकी जरूरत भी है क्या,
तुझसे बेहतर तेरे दरबार में और भला रखा भी है क्या,
तेरे दरबार से मैं तेरे सिवा मांगू भी क्या

तख्त और ताज की साईं मुझे जरूरत न,
शान और शोहरत की भी साईं मुझको चाहत न,
तुम जो नैनो में बसे हो इस से अच्छा भी है क्या,
तुझसे बेहतर तेरे दरबार में और भला रखा भी है क्या,
तेरे दरबार से मैं तेरे सिवा मांगू भी क्या

रोज अपनी यही पे होती मुलाकात रहे,
और चाहू नहीं कुछ इतनी मेरी बात रहे ,
सौदा इस से और बेहतर कोई अच्छा भी है क्या ,
तुझसे बेहतर तेरे दरबार में और भला रखा भी है क्या,
तेरे दरबार से मैं तेरे सिवा मांगू भी क्या

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15180/title/tere-darbar-se-main>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |